



::आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan,
रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road,
राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: commrappl3-cexamd@nic.in



सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए.डी. द्वारा :-

DIN-20211164SX0000419448

क	अपील / फाइल संख्या/ Appeal / File No.	मूल आदेश सं / OIONo.	दिनांक/ Date
	V2/15/GDM/2021	15/JC/2020-21	18.12.2020

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-258-2021

आदेश का दिनांक / Date of Order:	15.11.2021	जारी करने की तारीख / Date of issue:	16.11.2021
------------------------------------	-------------------	--	-------------------

श्री अखिलेश कुमार, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Akhilesh Kumar, Commissioner (Appeals), Rajkot.

ग अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/ वस्तु एवं सेवाकर,
राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से मूजित: /
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central
Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता / Name & Address of the Appellant & Respondent :-

M/s. Trisha Infrastructures Co., 5, "Shiv Complex", Madhapar Highway Opposite Dolphin Hotel Bhuj-370001.

इस आदेश (अपील) में व्यक्त कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) बगीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामलों में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाया गया अपील को अलावा शेष सभी अपीलों में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सेस्टाट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 380016 को की जानी चाहिए। /

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्ट ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/- Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्ट ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.



CA. Abhishek Doshi
22/12/21

- (ii) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियां संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (iii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सेस्टेट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जमाना विवादित है, या जमाना, जब केवल जमाना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपए से अधिक न हो।
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है
- धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
 - सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि
 - सेनवेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं- 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्ज़ी एवं अपील को लागू नहीं होगा। / For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.
- Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :
- amount determined under Section 11 D;
 - amount of erroneous Cenvat Credit taken;
 - amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षणयाचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथमपरंतुक के अंतर्गत अवर मंचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन इकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:
- (i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह/पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse
- (ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छूट (ग्जिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.
- (iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
- (iv) मुनिश्चित उत्पाद के उत्पाद शुल्क के भुगतान के लिए जो क्यूटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (नं- 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा समायाचिधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.
- (v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट है, इस आदेश के संश्लेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के माध्यम के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.
- (vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए।
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000/- का भुगतान किया जाए।
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पट्टी कार्य में बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में बर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपीलीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in



:: ORDER-IN-APPEAL ::

M/s. Trisha Infrastructures Co., Bhuj (hereinafter referred to as "Appellant") has filed Appeal No. V2/15/GDM/2021 against Order-in-Original No. 15/JC/2020-21 dated 18.12.2020 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Joint Commissioner, Central GST, Gandhidham (hereinafter referred to as 'adjudicating authority').

2. The facts of the case, in brief, are that the Appellant was engaged in providing Erection, Commissioning and Installation Service and Supply of Tangible Goods service and was registered with Service Tax Department having Registration No. AAGFT2773DSD001. Investigation carried out by the officers of the Directorate General of GST Intelligence (DGGI), Rajkot, revealed that the Appellant had provided various taxable services and had charged and collected service tax from their clients during the period from F.Y. 2014-15 to June, 2017 but had not deposited / short deposited the same in Government exchequer. It was further revealed that they had filed ST-3 returns only for the period from April-September, 2014 to April-September, 2015 and failed to file ST-3 Returns for the remaining period i.e. October-March, 2015-16 to June, 2017 and failed to discharge service tax. It appeared that the Appellant had evaded service tax totally amounting to Rs. 61,37,083/-. The Appellant had deposited service tax totally amounting to Rs. 27,64,000/- during the course of investigation.

2.1 On culmination of investigation, Show Cause Notice No. DGGI/AZU/Gr.E/36-932019-20 dated 16.10.2019 was issued to the Appellant calling them to show cause as to why service tax amounting to Rs. 61,37,083/- should not be demanded and recovered from them under proviso to sub-Section (1) of Section 73 of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as 'Act') along with interest under Section 75 of the Act and service tax amounting to Rs. 27,64,000/- deposited during investigation should not be appropriated against total service tax liability. The notice also proposed imposition of penalty under Sections 70, 77(1)(b) and 78 of the Act.

2.2 The above Show Cause Notice was adjudicated by the adjudicating authority vide the impugned order wherein he confirmed demand of service tax amounting to Rs. 43,18,904/- under proviso to Section 73(1) of the Act, along with interest under Section 75 of the Act and appropriated service tax amount of



Rs. 27,64,000/- deposited during investigation against confirmed demand. The adjudicating authority imposed penalty of Rs. 43,18,904/- under Section 78 of the Act and Rs. 80,900/- under Section 70(1) of the Act read with Rule 7 of the Service Tax Rules, 1994 and Rs. 10,000/- under Section 77(1)(b) of the Act.

3. Being aggrieved, the Appellant preferred the present appeal contending that the adjudicating authority erred in confirming service tax demand of Rs. 43,18,904/- under Section 73(1) of the Act and also erred in imposing penalty under Sections 70,77 and 78 of the Act.

4. Hearing in the matter was scheduled in virtual mode through video conferencing on 20.10.2021. Shri Abhishek Doshi, C.A., appeared on behalf of the Appellant. He reiterated the submissions made in appeal memorandum as well as submission made as part of hearing. He stated that the tax liability was shown in the returns and part payment was made. Hence, penalty under Section 78 is not warranted in the case.

4.1 In additional written submission filed at the time of hearing, it has, *inter alia*, been contended that,

- (i) They had not filed ST-3 returns for the period October-March, 2015-16 onwards and there were certain short payments of service tax. The Show Cause Notice issued by DGGI had many calculation mistakes and some amounts were calculated multiple times. They submitted detailed reply to the Show Cause Notice with proper workings and submitted all required documents to the adjudicating authority, who accepted most of their explanation and working provided. However, the only issue not allowed by the adjudicating authority is taxability of advance of Rs. 81,02,506/- received during the year 2015-16 from M/s. Phenix Building Solution Pvt. Ltd. That such advance received was towards the transportation of goods services provided by them and accordingly the service tax was payable by the recipient of service but the same was not accepted by the adjudicating authority and erroneously confirmed the demand. That they are contesting service tax demand of Rs. 11,74,863/- on the said advances received by them.
- (ii) There was no written agreement between the parties for transportation of services. Therefore, the assessee has obtained

dey



confirmation from M/s Phenix Building Solutions Pvt. Ltd. regarding nature of services provided to them who has categorically accepted that they have received transportation services from them. It is very well established principle that when both the party to the transaction i.e. supplier and recipient of services confirms the nature of transaction, it is not justified to challenge the nature of transaction by the Service Tax Authorities. As per Notification No. 30/2012-ST dated 20.6.2012, the service tax on transportation services is payable under reverse charge mechanism by the recipient of services. They had also submitted copy of invoices and ledger for M/s. Phenix Building Solutions Pvt, Ltd. at the time of adjudication but the same have not been considered. Hence, they are not liable to pay service tax amounting to Rs. 11,74,863/- and impugned order is required to be set aside on this count.

- (iii) The show cause notice issued on 16.10.2019 by invoking extended period of limitation for the period 2014-15 to 2016-17 is barred by limitation. The show cause notice does not have any evidence to show that they had suppressed any information with an intention to evade payment of service tax. The show cause notice has just mentioned that assessee have not disclosed the facts at any time without any support. When everything was available on records, the allegation of suppression etc. cannot be made and extended period should not be invoked and relied upon following case laws :
- (a) Amco Batteries Ltd. -2003-TIOL-50-SC CX
 - (b) Padmini Products - 2002-TIOL-289-SC-CX
 - (c) Jai Prakash Industries Ltd. - 2002-TIOL-633-SC-CX
 - (d) Sunil Metal Corporation - 2009-TIOL-681-CESTAT-AHM
- (iv) They were registered with Department since long and regular in payment of service tax. They could not pay the service tax for certain period due to liquidity issue. They had no intention to evade the payment of taxes. The show cause notice has not brought on record any evidence to the effect that the Appellant had deliberately suppressed the facts or mis-stated anything in order to intentionally evade payment of tax. Therefore, no penalty should be imposed under Sections 70, 77 or 78 of the act and relied upon following case laws:
- (a) Hindustan Steel Ltd. vs. State o Orissa 002-TIOL-148-SC-CT-LB

des



- (b) M/s. Motorworld and others 2012-TIOL-418-HC KAR-ST]
(c) Housing & Development Corp. Ltd.-2011-TIOL-1606-CESTAT-AHM]

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, the grounds raised in Appeal Memorandum and additional written submission as well as oral submission made at the time of hearing. The issue to be decided in the present appeal is whether the impugned order confirming service tax demand of Rs. 43,18,904/- under proviso to Section 73(1) of the Act, along with interest under Section 75 and imposing penalty under Sections 70, 77(1)(b) and 78 of the Act is correct, legal and proper or not.

6. On perusal of the records, I find that an offence case was booked against the Appellant for evasion of service tax. Investigation carried out by the officers of DGGI, Rajkot revealed that the Appellant had rendered various taxable services and had charged and collected service tax from their clients during the period from F.Y. 2014-15 to June, 2017 but had not deposited / short deposited service tax in Government exchequer. The Appellant had failed to file ST-3 Returns for the period from October-March, 2015-16 to June, 2017. The Show Cause Notice was issued to the Appellant for demanding service tax totally amounting to Rs. 61,37,083/-. The adjudicating authority considered the submission made by the Appellant during the course of adjudication and re-determined service tax liability and confirmed service tax demand of Rs. 43,18,904/- under Section 73(1) of the Act along with interest under Section 75 and imposed penalty under Sections 70, 77(1)(b) and 78 of the Act.

7. I find that the Appellant has not disputed the charge that they had not deposited service tax charged and collected from their service recipients into Government exchequer and that they had failed to file service tax for the period from October-March, 2015-16 to June, 2017. They have contested the confirmation of service tax demand of Rs. 11,74,863/- in respect of service rendered to M/s Phenix Building Solution Pvt. Ltd. The Appellant contended that they had rendered transportation service to M/s Phenix Building Solution Pvt. Ltd and as per Notification No. 30/2012-ST dated 20.6.2012, the service tax on transportation services is payable by the recipient of services under reverse charge mechanism and hence, they are not liable to pay service tax amounting to Rs. 11,74,863/-. The Appellant further stated that they had also submitted copy of invoices and ledger for M/s. Phenix Building Solutions Pvt. Ltd at the



time of adjudication but the same have not been considered by the adjudicating authority. On going through the impugned order, I find that the Appellant had raised this issue before the adjudicating authority during adjudication proceedings as evident from sub para 36 to 38 of para 30 of the impugned order. If that be the case, confirmation of service tax demand of Rs. 11,74,863/- on this count without giving any findings is apparent violation of natural justice. Since this issue was specifically raised during the adjudication proceedings and the fact that the adjudicating authority failed to give any findings, I find it is imperative that the adjudicating authority decides the issue on merit. I, therefore, set aside the impugned order to the extent of confirmation of service tax demand of Rs. 11,74,863/- and consequent penalty of Rs. 11,74,863/- imposed under Section 78 of the Act and remand the matter to the adjudicating authority for deciding the issue. Needless to mention that principles of natural justice be adhered to in remand proceedings. I find that the Appellant has not contested confirmation of remaining service tax demand. I, therefore, uphold the confirmation of service tax demand of Rs. 31,44,041/-. When demand is upheld, it is natural that confirmed demand is required to be paid along with applicable interest. I, therefore, uphold the impugned order for recovery of interest under Section 75 of the Act.

8. The Appellant has contested the invocation of extended period of limitation on the grounds that the Show Cause Notice issued on 16.10.2019 by invoking extended period of limitation for the period from F.Y. 2014-15 to F.Y. 2016-17 is barred by limitation. The Show Cause Notice does not have any evidence to show that they had suppressed any information with an intention to evade payment of service tax. The Show Cause Notice has just mentioned that assessee have not disclosed the facts at any time without any support. When everything was available on records, the allegation of suppression etc. cannot be made and extended period should not be invoked. I find that the Appellant in the present case had charged and collected service tax from their clients but did not deposit the same in Government exchequer during the period from F.Y. 2014-15 to June, 2017, which was unearthed during investigation carried out against them by DGGI, Rajkot. The Appellant had also not filed ST-3 returns for the period from October-March, 2015-16 to June, 2017. Thus, this is a clear case of suppression of facts with intent to evade payment of service tax. Considering the facts of the case, I am of the opinion that the adjudicating authority was justified in invoking extended period of limitation on the grounds of suppression



of facts.

9. As regards penalty imposed under Section 78 of the Act, the Appellant has pleaded that the Show Cause Notice has not brought on record any evidence to the effect that they had deliberately suppressed the facts or mis-stated anything in order to intentionally evade payment of tax. The Appellant further pleaded that the tax liability was shown in the returns and part payment was made. I find that the Appellant was registered with Service Tax Department. They had during the relevant period charged and collected service tax from their clients but did not deposit the same in Government exchequer, which was unearthed during investigation carried out against them by DGGI, Rajkot. It is on record that they had also failed to file ST-3 Returns for the period from October-March, 2015-16 to June, 2017. Further, Service Tax payment of Rs. 27,64,000/- was also made after initiation of investigation against them. Since invocation of extended period of limitation on the grounds of suppression of facts is upheld by me in paras *supra*, penalty under Section 78 of the Act is mandatory, as has been held by the Hon'ble Supreme Court in the case of Rajasthan Spinning & Weaving Mills reported as 2009 (238) E.L.T. 3 (S.C.), wherein it is held that when there are ingredients for invoking extended period of limitation for demand of duty, imposition of penalty under Section 11AC is mandatory. The ratio of the said judgment applies to the facts of the present case. I, therefore, uphold penalty of Rs. 31,44,041/- imposed under Section 78 of the Act.

10. Regarding penalty of Rs. 10,000/- imposed under Section 77 of the Act, I find that the adjudicating authority has imposed penalty on the grounds that the Appellant had failed to assess correct service tax and also failed to file prescribed ST-3 returns within due date. I concur with the findings of the adjudicating authority and uphold imposition of penalty of Rs. 10,000/- under Section 77 of the Act.

11. Regarding penalty of Rs. 80,900/- imposed under Section 70(1) of the Act read with Rule 7 of the Service Tax Rules, 1994, I find that the adjudicating authority has imposed penalty for late filing of ST-3 Returns for the period from October-March, 2014 to April-September, 2015-16 and for non filing of ST-3 Returns for the period from October-March, 2015-16 to June, 2017. I concur with the findings of the adjudicating authority and uphold imposition of penalty of Rs. 80,900/- under Section 70 of the Act.



12. In view of above, I set aside the impugned order to the extent of confirmation of service tax demand of Rs. 11,74,863/- and remand the matter as per finding given in para 7 above. The remaining impugned order is upheld.

13. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

13. The appeal filed by the Appellant is disposed off as above.

सत्यापित .



विपुल शाह

अधीक्षक (अपील्स)

(AKHILESH KUMAR)
Commissioner (Appeals)

15th November, 2021

By RPAD

To, M/s. Trisha Infrastructures Co. 5, Shiv Complex, Opposite Dolphin Hotel, Madhapar Highway, Bhuj (Kutch).	सेवा में, मैसर्स तृषा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी 5, शिव कॉम्प्लेक्स, डॉल्फिन होटल के सामने, माधापार हाईवे, भुज (कच्छ)।
---	--

प्रतिलिपि :-

- 1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गांधीधाम आयुक्तालय, गांधीधाम को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 3) सयुक्त सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गांधीधाम को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- 4) गार्ड फाइल।



